

Hindi Murli Quiz 06-11-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) क्विज को और बेहतर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

Q.2) मुरली के अनुसार पियरघर व ससुरघर के विषय में दिए गये सभी सही वाक्यों को चयन (टिक) करें।

- A. ☐ तुम जानते हो कलियुगी ससुरघर में तो अपार दुख हैं।
 B. ☐ बेहद के बाप के सम्बन्ध से निराकारी घर [शिवपुरी] को पियरघर भी कहते हैं।
 C. ☐ इस समय तुम हो ब्रह्मापुरी में इसको पियरघर कहा जाता है।
 D. ☐ तुम जानते हो ससुरघर अर्थात् विष्णुपुरी में हमको अपार सुख मिलने हैं।

Q.3) आज की मुरली के अनुसार धारणा में दिए सभी बिन्दुओं को चयन [टिक] करें, तब ही फुल मार्क्स मिलेंगे ----

- A. ☐ ज्ञान स्नान करना है।
 B. ☐ पुरुषार्थ के समय में अलबेला नहीं बनना है।
 C. ☐ बाप की पलकों पर बैठ कलियुगी दुखधाम से सुखधाम चलने के लिए अपना सब कुछ ट्रान्सफर कर देना है।
 D. ☐ प्यार से सर्विस कर बाप के दिलतख़्त पर बैठना है।

Q.4) वरदान के अन्दर बाबा ने सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत डायरेक्शन दी है, वे क्या हैं ? (एक से अधिक सही उत्तर हो सकते हैं। फुल मार्क्स लेने के लिये सभी सही उत्तरों को टिक करो)

- A. ☐ सदा स्वसेवा और औरों की सेवा का बैलेंस रख आगे बढ़ो।
 B. ☐ कभी अटेंशन का टेंशन नहीं रखना है।
 C. ☐ "अटेंशन और अभ्यास" को अपना संस्कार बनाओ।
 D. ☐ कमजोर नहीं बनो।
 E. ☐ सदा स्वसेवा और औरों की सेवा साथ-साथ करो।

Q.5) यह ज्ञान मानसरोवर है, परमपिता परमात्मा आकर इस मनुष्य तन द्वारा ज्ञान सुनाते हैं, इसलिए इनको मान-सरोवर कहा जाता है। मान-सरोवर अक्षर सागर से निकला है। ज्ञान सागर में ज्ञान स्नान करना तो बहुत अच्छा है।

- A. ☐ True
 B. ☐ False

Q.6) "ज्ञानयुक्त रहमदिल बनो तो _____ दिल का वैराग्य आयेगा"। (आज के स्लोगन के अनुसार, नीचे दिए गए उत्तरों में केवल एक ही सही उत्तर है। उसे चयन / टिक करके उपरोक्त वाक्य पूरा करें)

- A. ☐ कमजोरियों से,
 B. ☐ परेशानियों से,
 C. ☐ मजबूरियों से,
 D. ☐ जिम्मेदारियों से,

Q.7) भल कहा जाता है कि भक्तिमार्ग द्वारा शुरू होता है और जिस्मानी यात्रायें भक्तिमार्ग से शुरू होती हैं, परन्तु वह भी कोई शुरुआत में नहीं होती हैं। मन्दिर, चित्र आदि फट सँ नहीं बन जाते। टाइम लगता है क्योंकि -----(फुल मार्क्स लेने के लिए सभी सही उत्तरों का चयन करें)

- A. ☐ मठ आदि वृद्धों को पाते हैं फिर शास्त्र बनाने पर विचार होता है।
 B. ☐ पहले घरों में ही सोमनाथ का मन्दिर बनाते हैं, तो फिर कहीं जाने की दरकार नहीं रहती।
 C. ☐ फिर नये शास्त्र, नये चित्र, नये मन्दिर, नये तीर्थ स्थान बनते हैं।
 D. ☐ पहले अद्वय भिचारी भक्ति, फिर द्वय भिचारी भक्ति हो जाती है। कलायें कम होती जाती हैं।
 E. ☐ आहिस्ता-आहिस्ता पढ़ने वाले भी बढ़ते हैं।

Q.8) इन्हें मिलायें -----

	Choice		Match
A	यह विनाश का समय बहुत कड़ा है।	1	मक्खन खिलाने वाले को तुम जानते ही नहीं हो।
B	बाप समझाते बच्चे तुम्हारा यह फर्ज है हरेक को यह यात्रा की बात बताना।	2	प्रजापिता ब्रह्मा तो जरूर यहाँ होगा ना। सूक्ष्मवृत्त में तो प्रजा नहीं रचेंगे।

C	बाप कहते बच्चे साधुओं से बोली कि तुम केवल छाछ जानते हो।	3	साक्षात्कार से जानेंगे कि कितना पढ़ा है। फिर बहुत पछतायेंगे।
D	ब्रह्मा, विष्णु, शंकर गाये जाते हैं, सूक्ष्मवतन के। वह तो यहाँ आ न सके।	4	बोली, हमारी यह रुहानी यात्रा है। वह है जिस्मानी।

Q.9) इन्हें मिलाइये ----

Choice	Match
A याद ही तुम्हारी यात्रा है।	1 बाकी प्रालब्ध के संस्कार रह जाते हैं।
B तीर्थों पर भी ब्राह्मण लोग कथा कीर्तन करते हैं।	2 अभी हैं पुरुषार्थ के संस्कार।
C वह है निराकारी पियरघर वहाँ नॉलिज के संस्कार निकल जाते हैं।	3 तुम्हारी तो एक ही सत्य नारायण की कथा है, नर से नारायण बनने की।
D सुखधाम में तुम्हारे संस्कार ही प्रालब्ध के हो जायेंगे।	4 याद करते रहो तो खुशी का पारा चढ़े।
E जब लड़ाई आदि लगेगी फिर प्रैक्टिकल देख लेंगे।	5 फिर बहुत पछतायेंगे उस समय पैदाई तो हो न सके।

Q.10) धर्मराज साक्षात्कार कराये बिन। सजायें नहीं देंगे। पहले सब साक्षात्कार होंगे। फिर उस समय कर कुछ नहीं सकेंगे। कहेंगे हाय तक्रदीर। तदबीर का समय तो गया। तो बाप कहते क्यों नहीं अभी पुरुषार्थ करते हो।

- A. ☐ True
B. ☐ False

Q.11) निराकारी दुनिया में जाते ही नॉलिज के संस्कार समाप्त हो जाते हैं, _____ के संस्कार रह जाते हैं। जिन संस्कारों के आधार पर तुम बच्चे सतयुग में _____ भोगते हो, वहाँ फिर पढ़ाई का वा पुरुषार्थ का संस्कार नहीं रहता है। _____ मिल गई फिर ज्ञान खत्म हो जाता है। (मुरली के अनुसार, नीचे दिए गए उत्तरों में एक उत्तर सही है। उसे टिक करके तीनों उपरोक्त वाक्य पूरे करें)

- A. ☐ पवित्रता
B. ☐ शान्ति
C. ☐ राजाई
D. ☐ प्रालब्ध